अनुक्रमांक .....

वार्षिक परीक्षा—2024

सामान्य हिन्दी

B

समय : 3:15 घण्टा] कक्षा—11 [पूर्णांक : 100

निर्देश— (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
(ii) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'क' एवं 'ख' में विभाजित है। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
(iii) खण्ड 'क' में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिनका उत्तर OMR शीट पर दिया जाना है।
(iv) OMR शीट पर उत्तर अंकित हो जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर एवं व्हाइटनर आदि का प्रयोग न करें।
(v) खण्ड 'ख' 80 अंकों का है। इसमें वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये हैं।

खण्ड 'क'

1. प्रेमचन्द का उपन्यास नहीं है—
(a) गोदान (b) निर्मला (c) रंगभूमि (d) त्यागपत्र 1
2. जयशंकर प्रसाद की कौन सी रचना है—
(a) परीक्षागुरु (b) सेवासदन (c) आकाशदीप (d) प्रदीप। 1
3. 'अशोक के फूल' निबन्ध के लेखक हैं—
(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी (c) विद्यानिवास मिश्र (d) रामविलास शर्मा। 1
4. 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं—
(a) विद्यानिवास मिश्र (b) मुक्तिबोध (c) अज्ञेय (d) हजारी प्रसाद द्विवेदी। 1
5. अष्टछाप के कवि नहीं है—
(a) सूरदास (b) कुम्भनदास (c) तुलसीदास (d) कृष्णदास। 1
6. रीतिकाल कवि हैं—
(a) केशवदास (b) जयशंकर प्रसाद (c) तुलसीदास (d) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'। 1
7. द्विवेदी युग की रचना नहीं है—
(a) प्रिय प्रवास (b) भारत-भारती (c) आँसू (d) साकेत। 1
8. 'उपेन्द्रः' का सन्धि विच्छेद है—
(a) उपे+इन्द्रः (b) उप+ईन्द्रः (c) उप+इन्द्रः (d) उप+एन्द्र। 1
9. 'श्रीशः' का सन्धि विच्छेद है—
(a) श्री+इशः (b) श्रि+ईशः (c) श्र+ईशः (d) श्री+ईशः। 1
10. 'चन्द्रोदयः' का सन्धि-विच्छेद है—
(a) चन्द्र+ओदयः (b) चन्द्रो+दयः (c) चन्द्र+उदयः (d) चन्द्रोद+यः। 1
11. 'नाम्नाम्' में विभक्ति और वचन है—
(a) सप्तमी, एकवचन (b) द्वितीया, बहुवचन (c) षष्ठी, बहुवचन (d) चतुर्थी, द्विवचन। 1
12. 'यासाम्' में विभक्ति और वचन है—
(a) प्रथमा, एकवचन (b) द्वितीया, द्विवचन (c) सप्तमी, एकवचन (d) षष्ठी, द्विवचन। 1

P.T.O.

PDF Hindustanknowledge.com

13. 'अग-अध' शब्द युग्मों का सही अर्थ चुनिए— 1
(a) आगे-पीछे (b) अचल-पाप (c) नया-पुराना (d) सम्पूर्ण-पुण्य।

14. 'शर-सर'- का सही अर्थ है— 1
(a) सिर और मस्तक (b) बाण और तालाव
(c) सिर और महोदय (d) तालाब और सिर।

15. 'काँटा' का अर्थ नहीं है— 1
(a) शूल (b) काँसा (c) मछली की हड्डी (d) बड़ी तराजू

16. 'मुद्रा' कहते हैं— 1
(a) अँगूठी को (b) आकृति को (c) रुपया को (d) इन सभी को।

17. पृथ्वी से सम्बन्धित— 1
(a) पार्थिव (b) धारित्री (c) पृथ्वीक (d) पृथु।

18. आगे की बात पहले ही सोचनेवाला— 1
(a) भविष्यदर्शी (b) अग्रचिन्तक (c) दूरदर्शी (d) दूरसोची

19. 'म कलम के साथ लिखता हूँ।'' में कारक सम्बन्धी अशुद्धि का सही रूप हैं — 1
(a) मैं कलम के माध्यम से लिखता हैं। (b) मेरे द्वारा कलम लिखती है।
(c) मैं कलम से लिखता हूँ। (d) मेरे द्वारा कलम लिखता है।

20. शुद्ध वाक्य है— 1
(a) कामायनी एक उच्चकोटी का काव्य है। (b) कामायनी उच्चकोटी का एक काव्य है।
(c) कामायनी उच्चकोटी का काव्य है। (d) उच्चकोटि का काव्य कामायनी है।

खण्ड 'ख'

21. नीचे दिये गये गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $2 \times 5 = 10$

संसार में यदि अनादि सनातन धर्म है तो वह घुमक्कड़ धर्म है। लेकिन वह संकुचित सम्प्रदाय नहीं है, वह आकाश की तरह महान् है, समुद्र की तरह विशाल है। जिन धर्मों ने अधिक यश और महिमा प्राप्त की है, केवल घुमक्कड़ धर्म ही के कारण। प्रभु ईसा घुमक्कड़ थे, उनके अनुयायी भी ऐसे घुमक्कड़ थे, जिन्होनें ईसा के सन्देश को दुनिया के कोने-कोने में पहुँचाया।

(क) उपर्युक्त गद्यावतरण का सन्दर्भ लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) संसार का 'आदि घुमक्कड़ धर्म' कौन-सा है?
(घ) लेखक ने घुमक्कड़ धर्म को किसके समान महान और विशाल बताया है?
(ङ) कुछ धर्मों ने यश और महिमा किसके कारण प्राप्त की है?

अथवा

आत्मा अजर और अमर है। उसमें अनन्त ज्ञान, शक्ति और आनन्द का भण्डार है। अकेले ज्ञान कहनो भी पर्याप्त हो सकता है; क्योंकि जहाँ ज्ञान होता है वहाँ शक्ति होती है, और जहँ ज्ञान और शक्ति होते हैं वहाँ आनन्द भी होता है, परन्तु अविद्यावशात् वह हपने स्वरूप को भूला हुआ है। इसी से अपने को अल्पज्ञ पाता है। अल्पज्ञता के साथ-साथ अल्प शक्तिमत्ता आती है और इसका परिणाम दु:ख होता है। भीतर से ऐसा प्रतीत होता है जैसे कुछ खोया हुआ है; परन्तु यह नहीं समझ में आता कि क्या खो गया है। उसे खोई हुई वस्तु की, अपने स्वरूप की, निरन्तर खोज रहती है।

PDF Hindustanknowledge.com

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ख) प्रस्तुत गद्यांश में दार्शनिक दृष्टि से किसका विवेचन किया गया है?
(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(घ) आनन्द की कुंजी क्या है? उसके अभाव में क्या होता है?
(ङ) आत्मा, ज्ञान और आनन्द का क्या सम्बन्ध है?

22. नीचे दिये गये पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $2 \times 5 = 10$

ऐसी मूढ़ता या मन की।
परिहरि रामभगति-सुरसरिता आस करत ओसकन की।।
धूमसमूह निरखि चातक ज्यों, तृषित जानि मति घन की।
नहिं तहँ सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की।।
ज्यों गच-काँच बिलोकि सेन जड़ छाँह आपने तन की।
टूटत अति आतुर अहार बस छति बिसारि आनन की।।
कहँ लौं कहौं कुचाल कृपानिधि जानत हौ गति मन की।
तुलसिदास प्रभु हरहु दुसह दु:ख, करहु लाज निज पन की।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ख) 'रामभगति-सुरसरिता' में कौन-सा अलंकार है?
(ग) रेखांकित अंश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।
(घ) तुलसीदास के अनुसार यह मन किस प्रकार की मूढ़ता कर रहा है?
(ङ) अपने मन की मूर्खता को कवि ने किस प्रकार का व्यवहार बताय है?

अथवा

दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति।
परति गाँठि दुरजन हियैं, दई, नई यह रीति।।

(क) उपर्युक्त पद्यावतरण का सन्दर्भ व प्रसंग लिखिए।
(ख) कवि के अनुसार जब नायक-नायिका में परस्पर प्रेम उत्पन्न होता है, तब क्या होता है?
(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(घ) नायक-नायिका के प्रेम का दुष्टों पर क्या प्रभाव पड़ता है?
(ङ) 'दृग उरझत टूटत कुटुम' में कौन-सा अलंकार है?

23. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाएँ लिखिए— (शब्द-सीमा 80 शब्द) $3+2=5$
(i) सरदार पूर्णसिंह (ii) राहुल संकृत्यायन (iii) रामवृक्ष बेनीपुरी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाएँ लिखिए— (शब्द-सीमा 80 शब्द) $3+2=5$
(i) महाकवि भूषण (ii) सूरदास (iii) तुलसीदास

24. 'आकाशदीप' अथवा 'प्रायश्चित' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (शब्द सीमा 80 शब्द) 5

25. पठित नाटक के दूसरे अंक का कथासार अपने शब्दों में लिखिए। (शब्द-सीमा 80 शब्द)

अथवा 5

पठित नाटक के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण लिखिए।

PDF Hindustanknowledge.com

26. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

भारतस्य स्वतन्त्रतान्दोलनस्य इदं नगरं प्रधानकेन्द्रम् आसीत्। श्रीमोतीलालनेहरू, महामना मदनमोहनमालवीयः, आजादोपनाम-कश्चन्द्रशेखरः, अन्ये च स्वतन्त्रतासंग्रामसैनिकाः अस्यामेव पावनभूमौ उषित्वा आन्दोलनस्य सञ्चालनम् अकुर्वन्। राष्ट्रनायकस्य पण्डितजवाहरलालस्य इयं क्रीडास्थली कर्मभूमिश्च।

अथवा

अस्यैव कन्दरासु तपस्यन्तः अनेके ऋषयो मनुयश्च परां सिद्धिं प्राप्तवन्तः। अस्य सिद्धिमत्वं विलोक्यैव 'उपह्वरे गिरीणां सङ्गमे च नदीनां धिया विप्रोऽजायत' इत्यादि कथयन्तः वैदिका ऋषयः अस्य महत्त्वं स्वीकृतवन्तः। पुराणेषु सर्वविधानां सिद्धीनां प्रदातुः शिवस्य स्थानम् अस्यैव पर्वतस्य कैलासशिखरे स्वीकृतमस्ति। अस्यैव प्रदेशेषु बदरीनाथ-केदारनाथ-पशुपतिनाथ-हरिद्वार-ऋष्णिकेश-वैष्णवदेवी-ज्वालादेवी प्रभृतीनि तीर्थ-स्थानानि सन्ति।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 7

य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम्।
उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते।।

अथवा

न संशयमनारुह्य नरो भद्राणि पश्यति।
संशयं पुनरारुह्य यदि जीवति पश्यति।।

27. (क) निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखते हुए उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए— 1 + 1 = 2

(i) पापड़ बेलना (ii) लोहे के चने चबाना।
(iii) खग जाने खग ही की भाषा। (iv) एक तो करेला, दूजा नीम चढ़ा।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) राम और सोहन जाता है। (ii) वह मुझे बुलाया है।
(iii) दादी का प्राण निकल गया। (iv) मेरे को अभी जाना है।

28. (क) शृंगार रस अथवा करुण रस का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा तथा उदाहरण लिखिए। 2

(ख) 'उत्प्रेक्षा' अथवा 'अनुप्रास' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

29. ध्वनि-प्रदूषण रोकने के लिए सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए। 2 + 4 = 6

अथवा

अपने निकट की बैंक के शाखा प्रबन्धक को उच्च शिक्षा हेतु ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।

30. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए— 10

(क) कम्प्यूटर प्रयोग से लाभ-हनि (ख) भारत में आतंकबाद: समस्या और समाधान
(ग) शिक्षा में खेलकूद का स्थान (घ) नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

PDF Hindustanknowledge.com